SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

HISTORY BY

SUJEET BAJPAI SIR

(23rd Dec 2020 | CHSL)

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

History ⇒

① सर्वा. शुद्धता वाले सोने के सिक्के व
कुषाण

→ Start → Indo - Greek

→ Max. Number संख्या → Gupt Rulers

2 अवन्ति → राजधानी ?

उज्जैन → क्षिप्रा

3 fort William → कलकत्ता

हुगली

4 भूदान — विनोबा भावे

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमरउजाला

5. 1907 — Surat Split

6. स्वतंत्र पार्टी → C. राजगोपालाचारी

7. अष्टाध्यायी — पाणिनि

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

शिवा जी

↓ Grand Son

Shahu Ji

→ Bala Ji Vishwanath

→ King maker

पेशवा

(PM)

पेशवाओं के बारे में :

1. बाला जी विश्वनाथ (1713-20)

- ❖ये पहले शक्तिशाली पेशवा थे|
- ❖इन्होने पेशवा के पद को अपने परिवार के लिए स्थायी बना दिया था |

About Peshwas:

1. Bala Ji Viswanath (1713-20)

- ❖He was the first powerful Peshwa.
- ❖He made the post of Peshwa permanent for his family.

2. बाजीराव प्रथम (1720-1740)

❖यह सर्वाधिक शक्तिशाली पेशवा था |

❖ये पहले पेशवा थे जिन्होंने दिल्ली पर आक्रमण किया |(1737)

2. Bajirao 1st (1720-1740)

❖He was the most powerful peshwa.

❖He was the first peshwa who invaded Delhi.

Bajirao - I[st]

(1720-40)

75%

1739 → Nadirshah Attacked

DN

मस्तानी

3. बालाजी बाजीराव: (1740-1761)

- इसे नानासाहब भी कहते थे |
- पानीपत का तीसरा युद्ध इसी के समय में हुआ था|
- पानीपत के तीसरे युद्ध (1761) में अफगान सेनापति अहमद-शाह-अब्दाली ने मराठा सेनापति सदा शिव राव को हराया था |

3. Balaji Bajirao: (1740-1761)

- ❖He was also called Nana Sahab.
- ❖The third war of Panipat happened in his time.
- ❖In the Third War of Panipat (1761), Afghan general Ahmed-Shah-Abdali defeated Maratha Senapati Sada Shiv Rao.

⁎मराठों के अंग्रेजों के साथ युद्ध⁎

प्रथम युद्ध : (1775-1782)

❖यह युद्ध रघुनाथ राव की महत्त्वाकांक्षाओं का परिणाम था|

❖इस युद्ध का अंत सालबई की संधि से हुआ था |

First War : (1775-1782)

❖This war was the result of Raghunath Rao's ambitions.

❖The war ended with the Treaty of Salbai.

प्रमुख संधियाँ :

1. 1775: सूरत की संधि – रघुनाथ राव और अंग्रेजों की बॉम्बे सरकार का बीच

2. 1782: सालबाई की संधि – पूना दरबार और अंग्रेजों के मध्य

Major Treaties:

1. 1775: Treaty of Surat – Between Raghunath Rao and the Bombay Government of the British

2. 1782: Treaty of Salbai – Between Pune Darbar and British

द्वितीय युद्ध : (1803-1805)

❖बाजीराव द्वितीय की सुरक्षा अंग्रेजों के द्वारा की गयी थी |

❖अंग्रेजों ने इसे पुणे में रखा था |

2nd War: (1802-1805)

❖Bajirao 2nd was protected by the British.

❖The British kept him in Pune.

तीसरा युद्ध: (1817-19)

❖बाजीराव दितीय ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह कर दिया था |

❖अंग्रेजों ने इसे हराकर बिठूर भेज दिया था |

❖अंग्रेजों ने पेशवा का पद समाप्त कर दिया था |

❖बाजीराव दितीय अंतिम पेशवा था |

Third War: (1816-18)

- Bajirao 2nd had rebelled against the British.
- The British had sent him to Bithoor by defeating him.
- The British had abolished the post of Peshwa.
- Bajirao 2nd was the last Peshwa.

{ Bengal
mysore
maratha } =

[British Policies]

1. राजस्व
   Revenue Pol.
2. Edu. Pol.
   शिक्षा
3. Social Reforms
   समाज सुधार

① स्थाई
Permanent/ Zamindari
Sett.

② रैय्यतवाड़ी
Ryotwari

③ महालवाड़ी| mahalwari

1. स्थायी बंदोबस्त (1793) या स्थायी जमींदारी या इस्तमरारी (ठेकेदारी)

- इस व्यवस्था का आरम्भ कार्नवालिस ने किया था |
- उद्देश्य- ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में निश्चित आय प्राप्त करना चाहती थी |
- क्षेत्र(Area)—बिहार,बंगाल,उड़ीसा
- सूर्यास्त कानून का सम्बन्ध स्थायी बंदोबस्त से था |

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमरउजाला

1. Permanent Settlement (1793) or Permanent Zamindari or Istmarri (Contract)

This system was started by Cornwallis.

financial crisis

Objective: The East India Company wanted to get fixed income in India.

Area-Bihar, Bengal, Orissa

The sunset law was related to permanent settlement.

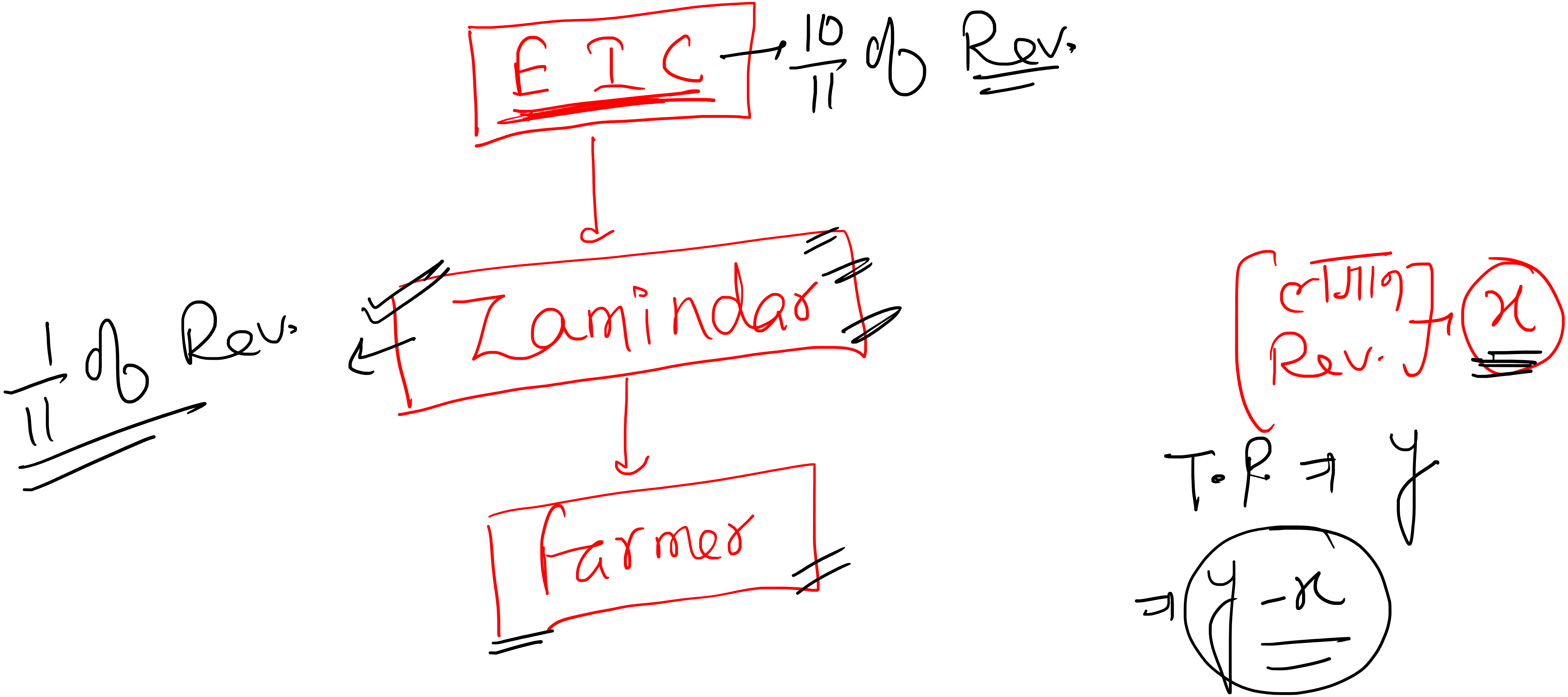
E I C
10/11 of Rev.
Zamindar
1/11 of Rev.
Farmer
Rev.
x
T.R. = y
= y - x

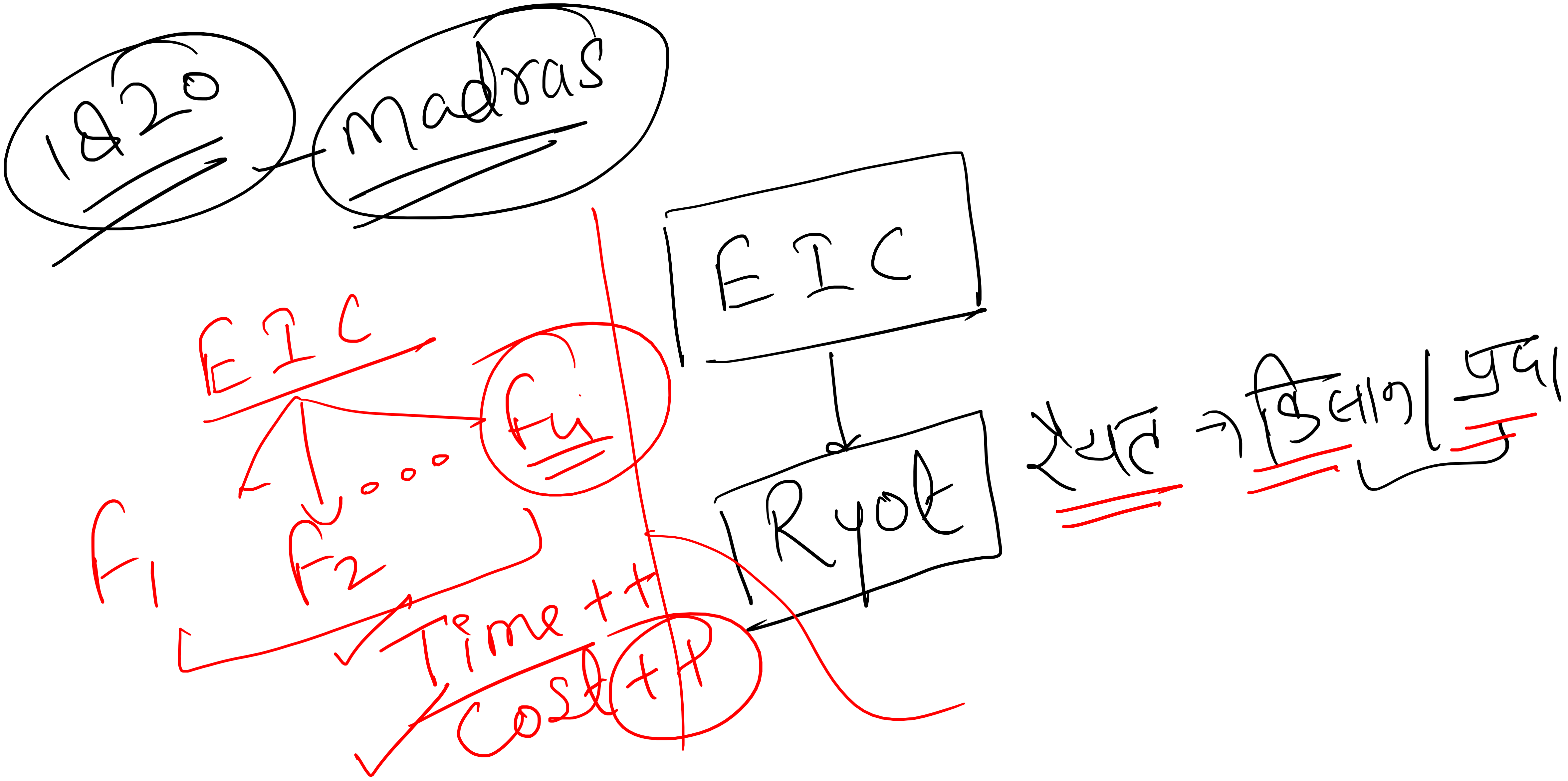
1820
Madras
EIC
Ryot
रैयत → किसान/प्रजा
EIC
F1
F2
F4
Time ++
Cost ++

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

2. रैयतवाडी बंदोबस्त (1820)

- ❖इस व्यवस्था का आरम्भ अलेक्जेंडर रिड और थॉमस मुनरो ने किया था |
- ❖इस व्यवस्था का आरम्भ मद्रास में हुआ था|
- ❖इस राजस्व बंदोबस्त को सर्वाधिक क्षेत्रों पर लगाया गया था |
- ❖बॉम्बे में इस व्यवस्था का आरम्भ एल्फिन्स्टन ने किया था |

2. Rayotwadi Settlement (1820)

- The system was initiated by Alexander Reed and Thomas Munro.
- This system was started in Madras.
- This revenue settlement was imposed on maximum area.
- The system was started in Bombay by Elphinstone.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

Headman

Mahalwadi

T - - -

Cost - - -

P + L

f1	f2
f3	f4

→ Mahal (A Village or Group of Vill.)

3. महालवाडी बंदोबस्त (1822)

Area → 30%

❖इस व्यवस्था का आरम्भ Holt Makenji ने किया था |

❖ईस्ट इंडिया कंपनी रैयतवाडी व्यवस्था के दोषों को दूर करना चाहती थी|

❖क्षेत्र (Areas): पंजाब, मध्य प्रान्त, सयुंक्त प्रान्त

3. Mahalwadi Settlement (1822)

- The system was initiated by Holt Makenji.
- The East India Company wanted to remove the defects in the Rayotwadi system.
- Area: Punjab, Central Province, United Province

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

[Education Pol. of British]

① मैकाले का प्रपत्र (1835)

Macaulay's Minute

William Bentick विलियम बेंटिक

7

7

Downward filleration

अधोमुखी निस्यंदन

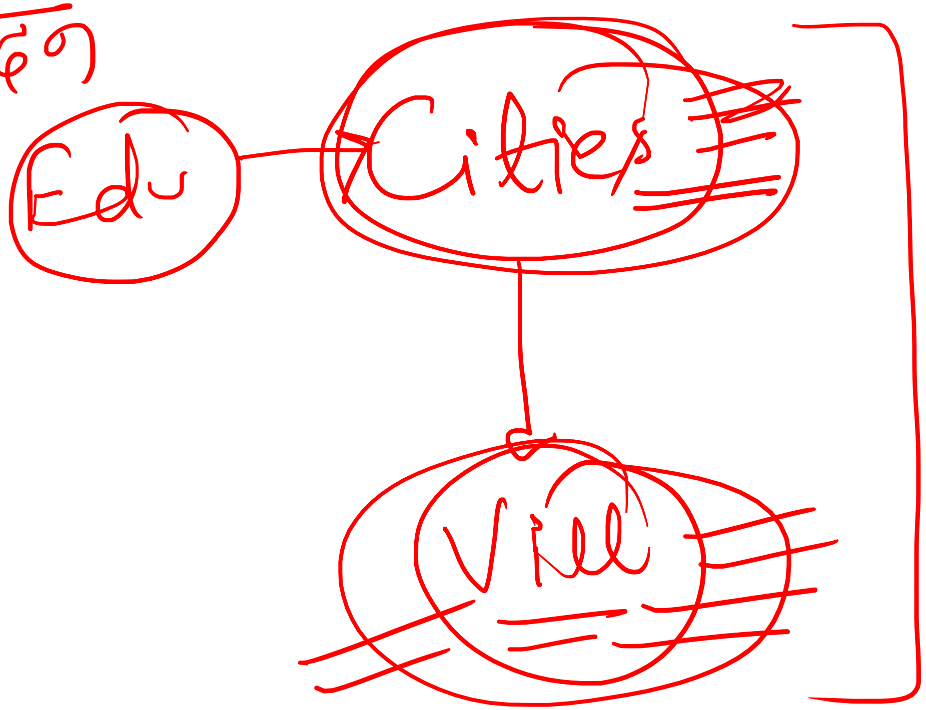

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

② Wood's Dispatch → 1854

वुड्स

↳ magnacarta

मैग्नाकार्टा

7 Dalhousie → डलहौजी

↳ (James Andrew Ramsay) AR

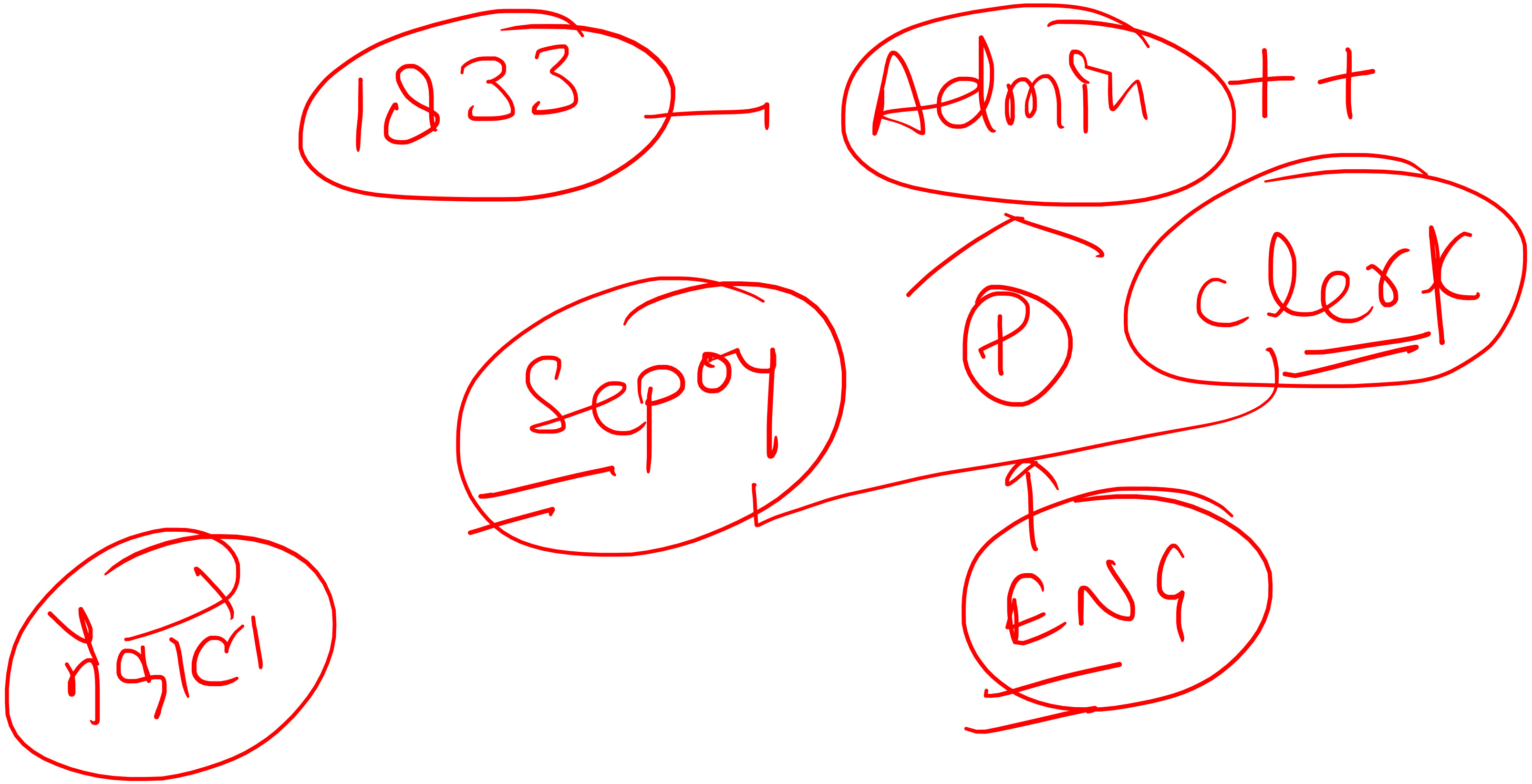
1833
Admin ++
Sepoy
P
clerk
ENG

1850 → Production ++

↓

market ✓

eg. Tea